तत्परता | रेलकर्मियों की मदद से जच्चा-बच्चा सुरक्षित

यात्रा के दौरान प्रसूता ने दिया नवजात को जन्म

जबलपुर, नवभारत। यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन: सिद्ध करते हुए जबलपुर रेल मंडल के मैहर स्टेशन पर रेल कर्मियों की तत्परता एवं मानवीय से एक प्रसूता महिला एवं नवजात शिशु को समय पर सहायता उपलब्ध कराकर सुरक्षित चिकित्सीय देखभाल सुनिश्चित की गई।

मंगलवार 23 जून को लगभग 11:29 बजे गाड़ी संख्या 15232 में यात्रा कर रही लगभग 30 वर्षीय महिला यात्री को भदनपुर स्टेशन के समीप प्रसव पीड़ा शुरू हुई तथा ट्रेन में ही उसकी डिलीवरी हो गई। सूचना प्राप्त होते ही स्टेशन प्रबंधक मैहर प्राण मोहन मिश्रा द्वारा तत्काल चेकिंग स्टाफ, महिला सफाई कर्मियों, महिला पॉइंट्समैन तथा आरपीएफ स्टाफ को आवश्यक सहायता हेतु सक्रिय किया गया। महिला सफाई कर्मियों ने अपने अनुभव एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए जच्चा-बच्चा की प्राथमिक देखभाल की। वहीं उप स्टेशन प्रबंधक शोभित शर्मा द्वारा तत्काल 108 एंबुलेंस की व्यवस्था कराई गई। गाड़ी के मैहर स्टेशन पहुंचते ही महिला एवं नवजात को सुरक्षित रूप से एंबुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल भेजा गया, जहां उन्हें आवश्यक चिकित्सीय देखभाल उपलब्ध कराई गई।

विपरीत परिस्थितियों में मिली मदद

इस दौरान वाणिज्य, परिचालन, आरपीएफ एवं सफाई विभाग के कर्मचारियों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए मानवीय सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। महिला यात्री अपने परिवार के साथ यात्रा कर रही थीं तथा सभी को समय पर सहायता उपलब्ध कराई गई। महिला के परिजनों ने रेल प्रशासन, मैहर स्टेशन के कर्मचारियों, महिला सफाई कर्मियों, आरपीएफ एवं सभी संबंधित रेल कर्मियों की त्वरित सहायता, संवेदनशीलता एवं मानवीय सेवा भावना के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। परिजनों ने कहा कि विपरीत परिस्थिति में रेलवे द्वारा समय पर मिली मदद से माँ और नवजात दोनों सुरक्षित हैं, जिसके लिए वे रेल प्रशासन के प्रति कृतज्ञ हैं। जबलपुर रेल मंडल यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। रेलकर्मियों की सजगता, समर्पण एवं सेवा भावना से यह घटना एक बार फिर सिद्ध करती है कि भारतीय रेल केवल परिवहन का माध्यम ही नहीं, बल्कि यात्रियों की हर परिस्थिति में भरोसेमंद साथी भी है।

रिद्धिमा ने 86.75% अंक हासिल कर बढ़ाया विद्यालय का मान

सिहोरा। सालेम हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा रिद्धिमा तंतुवाय ने कक्षा 5वीं की परीक्षा में 86.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी इस सफलता से न केवल परिवार बल्कि पूरे विद्यालय में खुशी का माहौल है। रिद्धिमा के माता-पिता नागेंद्र तंतुवाय एवं सुषमा तंतुवाय ने बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व जताया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के शिक्षकों ने भी रिद्धिमा की मेहनत, लगन और अनुशासन की सराहना करते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया। विद्यालय प्रबंधन ने रिद्धिमा को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे होनहार विद्यार्थी ही स्कूल का नाम रोशन करते हैं। रिद्धिमा की इस सफलता से क्षेत्र में भी हर्ष का वातावरण है।

सेवा संबंधी विषयों पर विस्तार से हुआ विचार-विमर्श

▸ पौधा रोपण के साथ गौशाला समिति की बैठक आयोजित

सिहोरा, नवभारत। सम्मेद गिरी गोसलपुर स्थित विद्यासागर सेवा आश्रम समिति दिव्योदय में गौशाला के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गौशाला के संचालन एवं विभिन्न सामाजिक एवं सेवा संबंधी विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अनिल जैन ने की। बैठक के उपरांत समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान संरक्षक श्री अरुण जैन एवं श्रीमती उर्मिला जैन के वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आम, जामुन, कटहल, बरगद एवं पीपल जैसे फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया।

इसके पश्चात गौशाला में उपस्थित गोवंश को हरा चारा खिलाया गया तथा मिष्ठान वितरण कर कार्यक्रम को सेवा एवं सद्भावना के साथ सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के सचिव सुनील जैन जबलपुर, आजाद जैन, सुनील जैन गुड्डा, राकेश जैन (पूर्व शिक्षक), अमित जैन, सामाजिक कार्यकर्ता संजय सेंगर, बिहारी लाल रजक (मैनेजर), डॉ. अक्षय, उपेंद्र यादव, गुरु बर्मन, शिबू लोधी, निर्मल, हीरालाल, प्रमोद, धनीराम, लक्ष्मी यादव, सतीश, राजेश बर्मन, अभिषेक यादव, पार्वती बाई सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनील जैन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन राकेश जैन द्वारा किया गया।

घर से सटे कुएं में मिली नवविवाहिता की लाश

▸ मझौली गांव की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया

चिल्हारी नवभारत 23 जून। इंदवार थाना क्षेत्र के ग्राम पनपथा अंतर्गत मझौली गांव में मंगलवार शाम दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। दरअसल 25 वर्षीय नव विवाहिता उड़नकली का शव घर से सटे कुएं में मिला है। जैसे ही घटना की जानकारी लोगों तक पहुंची, मौके पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी और परिवार में चीख-पुकार मच गई।

बताया जाता है कि मंगलवार शाम करीब 5 बजे घर के पास स्थित कुएं में महिला का शव दिखाई दिया, जिसके बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।इस घटना को लेकर फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि महिला किन परिस्थितियों में कुएं तक पहुंची और यह हादसा है या इसके पीछे कोई अन्य वजह।

पूरे गांव में शोक का माहौल

बताया जाता है कि मृतका का मायका सिंगरौली जिले में बताया जा रहा है। घटना की सूचना मायके पक्ष को भी दे दी गई है और परिजनों के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है। उधर, पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

7 माह की बेटी के सिर से उठा मां का साया

इस हृदय विदारक घटना ने लोगों को झकझोर दिया, क्योंकि मृतका अपने पीछे महज 6 से 7 माह की अपनी मासूम बेटी छोड़ गई है। वह नन्हीं बच्ची अभी इस बात से अनजान है कि उसकी जिंदगी से मां का साया हमेशा के लिए उठ चुका है। गांव में हर किसी की जुबान पर उसी मासूम का जिक्र है, जिसके हिस्से में इतनी छोटी उम्र में यह असहनीय दर्द आ गया।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर सौंपा ज्ञापन

▸ सर्वोदय ब्राह्मण समाज ने की निष्पक्ष जांच की मांग

सिहोरा, नवभारत। बिहार में हुए भरत तिवारी के कथित एनकाउंटर को लेकर मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में आक्रोश देखा जा रहा है। सर्वोदय ब्राह्मण समाज, सिहोरा ने इस घटना पर कड़ा विरोध जताते हुए महामहिम राष्ट्रपति, बिहार के राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने इस एनकाउंटर को नियमों के विपरीत बताते हुए उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि विगत दिनों बिहार के एक गांव में भरत तिवारी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। आरोप है कि आत्मसमर्पण करने के बावजूद वहां की पुलिस ने उनका एनकाउंटर कर दिया। संगठन का कहना है कि यह पूरी घटना पूरी तरह से संदिग्ध और जांच का विषय है।

समाज और जनता में असंतोष

सर्वोदय ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं भारतीय समाज को दुखी करती है। यह कृत्य नियमों के सर्वथा विपरीत प्रतीत होता है। ऐसी घटनाओं से समाज में न केवल विपरीत और नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, बल्कि प्रशासन की इस कार्यप्रणाली से आम जनता में न्याय के प्रति अविश्वास की भावना और अभाव प्रकट होती है।

संगठन ने महामहिम राष्ट्रपति,राज्यपाल से मांग की है कि इस पूरे मामले की किसी स्वतंत्र और निष्पक्ष एजेंसी द्वारा गहराई से जांच कराई जाए। साथ ही, जो भी पुलिसकर्मी या अधिकारी इस फर्जी एनकाउंटर में दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान सर्वोदय ब्राह्मण समाज सिहोरा के अध्यक्ष जय प्रकाश तिवारी एवं राजेश कुमार कुररिया, दीपक तिवारी, डब्बू पाठक, संदीप तिवारी,अभिषेक पाण्डे, शिवम द्विवेदी, आदित्य दुबे, अमन तिवारी, नितिश कुमार मिश्रा, जय प्रकाश मिश्रा, जगदीश तिवारी, अन्नी महाराज, विनय दुबे, रवि प्रकाश मिश्रा, अर्जुन गर्ग, सुरेन्द्र मिश्रा, विष्णूदत्त गौतम, अमित कुररिया, योगेन्द्र मिश्रा, शीतल प्रसाद दुबे सहित उपस्थित सभी प्रबुद्धजनों ने जनता की इस जायज मांग पर उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

अवैध चिकित्सकीय प्रैक्टिस की शिकायत पर टीम ने दबोचा

▸ मेडिकल स्टोर पर प्रशासन का छापा

मंडला। कलेक्टर के निर्देशन में स्वास्थ्य और प्रशासनिक अमले ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घुघरी क्षेत्र में संचालित एक मेडिकल स्टोर पर छापामार कार्रवाई की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस मेडिकल स्टोर पर अवैध रूप से मरीजों का इलाज किए जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम और ड्रग इंस्पेक्टर ने संयुक्त रूप से प्रतिष्ठान पर अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके पर मौजूद आवश्यक दस्तावेजों, अभिलेखों और तथ्यों का बारीकी से परीक्षण करते हुए अवैध प्रैक्टिस से जुड़े साक्ष्य संकलित किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मौके से मिले पुख्ता सबूतों के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस छापामार कार्रवाई दल में अनुविभागीय अधिकारी, मेडिकल ऑफिसर, ड्रग इंस्पेक्टर एवं अमोद श्रीवास मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दो अनाथ बेटियों की जमीन पर सगे चाचा ने किया अवैध कब्जा

▸ विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी, सदमे में परिवार, कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

नैनपुर/मंडला। कलयुगी रिश्तों और अनाथ बेटियों के हक पर अपनों द्वारा ही डाका डालने का एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है। तहसील नैनपुर के ग्राम चीचगांव की रहने वाली दो सगी बहनों ने अपने सगे चाचा पर पैतृक कृषि भूमि पर अवैध कब्जा करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। न्याय की आस में भटक रही इन बेटियों ने जिला कलेक्टर को आवेदन सौंपकर अपनी ही जमीन पर वापस कब्जा दिलाने और सुरक्षा प्रदान करने की अपील की है।

पिता का सिर से उठा साया, नाना ने पाला

जानकारी अनुसार आवेदिका नेहा साहू, 21 वर्ष, बीए तृतीय वर्ष की छात्रा और उसकी छोटी बहन रिसिका साहू 18 वर्ष, 12वीं उत्तीर्ण छात्रा के पिता स्वर्गीय रामकुमार साहू का निधन विगत 18 फरवरी 2008 को गया था, जब दोनों बहनें अत्यंत छोटी थीं। दोनों अनाथ बेटियों को उनके नाना रतन और हरिप्रसाद साहू ने अपने घर ग्राम चीचगांव लाकर पाला-पोषा वर्तमान में बड़ी बहन कॉलेज में है और छोटी बहन को आगे कॉलेज में दाखिला लेना है, जिसके चलते नाना पर अत्यधिक आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

न्यायालय के आदेश के बाद भी चाचा का अवैध कब्जा

शिकायत में बताया गया कि ग्राम जेवनारा में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 36/2/1 और 89/2/1 कुल रकबा 0.70 हेक्टेयर राजस्व अभिलेखों में इन दोनों बहनों के नाम पर दर्ज है। पिता की मृत्यु के बाद न्यायालय तहसीलदार नैनपुर द्वारा पारित आदेश दिनांक 10 मार्च 17 के तहत यह हिस्सा इन बहनों को प्राप्त हुआ था। आरोप है कि उनके सगे चाचा इंद्रकुमार साहू ने इस पूरी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर खेती कर रहे हैं। इस भूमि से होने वाली आय में से अनाथ बहनों को फूटी कौड़ी भी नहीं दी जा रही है। आवेदिकाओं ने अपने शिकायती पत्र में आरोप लगाते कहा है कि जब वे अपनी खुद की भूमि पर स्वयं कृषि कार्य करने या हक मांगने जाती हैं, तो उनके चाचा इंद्रकुमार द्वारा उनके साथ मारपीट की जाती है और उन्हें जान से खत्म करने की धमकियां दी जाती हैं।

पंचों का फैसला भी ठुकराया

मामले को सुलझाने पिछले वर्ष 8 जून 25 को ग्राम जेवनारा में चार पंचों की एक बैठक बुलाई गई थी। पंचों ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था कि चाचा इंद्रकुमार इन दोनों बहनों को जमीन की आय के एवज में 12 हजार 500 रूपए की राशि का भुगतान करेंगे। लेकिन दबंगई के चलते चाचा ने पंचों के फैसले को भी ठेंगा दिखा दिया। और अब तक कोई राशि नहीं दी।

आर्थिक और मानसिक रूप से टूट चुकी हैं बहनें

भूमि का लाभ न मिलने और चाचा के प्रताड़ना भरे व्यवहार के कारण दोनों बहनें और उनके वृद्ध नाना आर्थिक और मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं। जिससे परेशान होकर मंगलवार को मंडला कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन के माध्यम से पीड़ित बेटियों ने निवेदन किया है कि मामले की नियमानुसार जांच कराकर उन्हें उनकी कृषि भूमि का वास्तविक कब्जा दिलाया जाए, जिससे वे अपना भरण-पोषण और आगे की पढ़ाई सुचारू रूप से कर सकें।

बाघ की मौत | केनाइन डिस्टेम्पर की आशंका के चलते डॉक्टरों की टीम कर रही थी इलाज, एनटीसीए प्रोटोकॉल के तहत हुआ भस्मीकरण

मुक्की क्वारंटाइन सेंटर में जिंदगी की जंग हारा बीमार बाघ

कान्हा/ मंडला, नवभारत। एशिया के सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय उद्यानों में से एक कान्हा टाइगर रिजर्व के मुक्की क्वारंटाइन सेंटर में पिछले कई दिनों से जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे एक अस्वस्थ बाघ ने मंगलवार को अंतिम सांस ली। देश के नामचीन वन्यजीव डॉक्टरों और प्रतिष्ठित संस्थानों के अथक प्रयासों के बावजूद इस राष्ट्रीय पशु को असमय काल के गाल में समाने से नहीं रोका जा सका।

कान्हा प्रबंधन से मिली जानकारी अनुसार उक्त बाघ को इसी महीने की शुरुआत में विगत 04 जून को हाथी गश्ती दल द्वारा बीट किसली के कक्ष क्रमांक 777 सन्दूक खोल के पास बेहद जीर्ण-शीर्ण और अस्वस्थ अवस्था में देखा गया था। बाघ की गंभीर स्थिति को देखते हुए पार्क के वरिष्ठ अधिकारियों के त्वरित निर्देशन में रेस्क्यू टीम ने तत्परता दिखाते हुए बाघ को सुरक्षित ट्रेंकुलाइज किया था और गहन चिकित्सा व एकांतवास के लिए मुक्की क्वारंटाइन सेंटर स्थानांतरित किया था।

केनाइन डिस्टेम्पर जैसे घातक रोग के मिले थे लक्षण

प्रारंभिक चिकित्सकीय जांच के दौरान बाघ में वन्यजीवों के लिए बेहद जानलेवा माने जाने वाले केनाइन डिस्टेम्पर रोग से संबंधित गंभीर लक्षण पाए गए थे। इसके तुरंत बाद कान्हा टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों और वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन ट्रस्ट के डॉक्टरों का एक संयुक्त दल गठित किया गया था, जो चौबीसों घंटे बाघ की सेहत पर सतत निगरानी और सघन उपचार कर रहा था। बाघ की जान बचाने के लिए भारत के कई अन्य शीर्ष वन्यजीव विशेषज्ञों से भी आपातकालीन तकनीकी सलाह ली गई थी, लेकिन बीमारी के गंभीर स्तर पर होने के कारण अंतत: बाघ ने दम तोड़ दिया।

सभी अंग पाए गए सुरक्षित

बाघ की मृत्यु के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के कड़े दिशा-निर्देशों व प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणि) भोपाल के निर्देशों का अक्षरश: पालन करते हुए आगे की वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई। डॉ. संदीप अग्रवाल वरिष्ठ वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. आशीष वैद्य पशु चिकित्सक, बैहर एवं डॉ. अनुष्का उपाध्याय पशु चिकित्सक, एसडब्ल्यूएफएच जबलपुर के तीन सदस्यीय विशेषज्ञ दल द्वारा मृत बाघ का पोस्टमार्टम किया गया। प्राथमिक शव परीक्षण रिपोर्ट के अनुसार बाघ के शरीर के समस्त महत्वपूर्ण अंग पूरी तरह सुरक्षित पाए गए हैं, जिससे किसी भी प्रकार के अवैध शिकार की आशंका खारिज होती है। हालांकि मृत्यु के सटीक और अंतिम कारणों का वैज्ञानिक रूप से पता लगाने के लिए फॉरेंसिक जांच के लिए विसरा सुरक्षित कर लैबोरेट्री भेजे गए हैं। पोस्टमार्टम की पूरी प्रक्रिया संपन्न होने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में मुखाग्नि देकर पंचतत्व में विलीन किया गया। इस संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान रवींद्र मणि त्रिपाठी क्षेत्र संचालक, कान्हा टाइगर रिजर्व, जमुना प्रसाद भगत तहसीलदार, बैहर, अजिनक्या देशमुख फील्ड बायोलॉजिस्ट, चंद्रेश खरे मानसेवी वन्य जीव अभिरक्षक, परशुराम चौहान एनटीसीए प्रतिनिधि, शकुंतला मरकाम सरपंच, बम्हनी तथा संबंधित परिक्षेत्र अधिकारी मुक्की सहित कान्हा टाइगर रिजर्व का अन्य मैदानी स्टाफ मुख्य रूप से मौजूद रहा।

वीरांगना की प्रतिमा तोड़े जाने पर बवाल

▸ वर्तमान व पूर्व जनपद अध्यक्ष ने दर्ज कराई एफआईआर

मंडला। जिले के विकासखंड घुघरी की जनपद पंचायत घुघरी परिसर के समीप स्थापित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा को तोड़े व हटाए जाने का एक बेहद गंभीर मामला प्रकाश में आया है। इस घटना के बाद से स्थानीय जन प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आदिवासी समाज में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वर्तमान जनपद अध्यक्ष जनिया बाई मरावी और पूर्व जनपद अध्यक्ष व वर्तमान जिला पंचायत सदस्य कौशल्या मरावी ने संयुक्त रूप से थाना घुघरी पहुंचकर अलग-अलग लिखित शिकायत दर्ज कराई है और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

जनपद अध्यक्ष जनिया बाई मरावी ने इस कृत्य पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जनपद पंचायत की बिना किसी पूर्व अनुमति, प्रस्ताव या अनापत्ति प्रमाण पत्र के इस प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर हटाया गया है। कार्यालय को इस संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई थी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले इस कृत्य की निष्पक्ष जांच कर उत्तरदायी व्यक्तियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

शिकायत सौंपने पहुंचे क्षेत्र के दिग्गज नेता

थाने में लिखित शिकायत सौंपने के दौरान क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्य रूप से भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामप्रकाश साहू, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे, महामंत्री संजय साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष शंभू प्रसाद साहू और पूर्व मीडिया प्रभारी नंदकिशोर पांडे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस घटना के बाद से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और जनभावनाओं के मद्देनजर पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

कमेटी की मंजूरी से स्थापित हुई थी मूर्ति

पूर्व जनपद अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य कौशल्या मरावी ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान जनपद कमेटी के वैधानिक निर्णय और सर्वसम्मति के बाद ही परशुरामी गंगा कॉम्प्लेक्स परिसर के समीप वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा का ससम्मान अनावरण किया गया था। गौरव के प्रतीक को इस तरह गरिमाविहीन ढंग से तोड़ा जाना बेहद निंदनीय है।